Shabdon ke Ujale
कुछ Kavi اور Unki कविताएं

सिंघल अय्यर फैमिली फाउंडेशन (SIFF)
प्रस्तुत करते है
शब्दों के उजाले: कुछ कवि और उन की कविताएं
इंडिया फाउंडेशन फॉर द आर्ट्स द्वारा प्रबंधित

कवि: अजंता देव, देवी प्रसाद मिश्रा, खलील मामून और संजय चतुर्वेदी
सूत्रधार: अजय कुमार सिंह और अशोक पांडे

नवंबर 19-20, 2022 | सेमिनार हॉल 1 और 2, बंगलौर इंटरनेशनल सेंटर (BIC)

SIFF और IFA, हिंदी और उर्दू काव्य की रसास्वाद के लिए ले के आ रहे है, दो दिन का काव्य महोत्सव| इस महोत्सव के उद्देश्य नागरी जीवन में काव्य का स्थान बनाना, भारत की अलग अलग जगहों से कवियों को एक साथ लाना और उन की शब्द, ताल और कल्पना से भरी जिंदगी में झांकना है|

कार्यक्रम:

दिन 1 : ***कविता की शाम***
शनिवार, नवंबर 19, 2022 | शाम 06.30 बजे से 08:00 बजे तक
काव्य के मायने क्या है? काव्य की शक्ति क्या है? आइये, सम्मिलित हो जाइये ऐसी शाम में जिसे बांधे रखेंगे हमारे दो सूत्रधार, अजय कुमार सिंह और अशोक पांडे और अपनी रचनाएँ पेश करेंगे चार कवि, अजंता, देवी प्रसाद, खलील और संजय| साथ साथ वो साझा करेंगे के की काव्य उन के लिए क्या है, कैसे काव्य ने उन्हें कठिन समय में साथ दिया और किस प्रकार से काव्य व्यक्ति एवं समाज पे असर करता है|

दिन 2: कवि से गुफ्तगू
रविवार, नवंबर 20, 2022 | सुबह 11:00 बजे से शाम 4:30 बजे तक
हमारे दो सूत्रधारों के सहित कुल चार अलग अलग संवाद होंगे जिन में ये कवी अपनी सृजन की यात्रा के बारे में बात करेंगे, उन की रचनाओं के बारे में बात करेंगे, उन की सृजन की प्रक्रिया, उन्हें क्या प्रभावित करता है, उन की व्यस्तता और आकांक्षाओं के बारे में भी बताएंगे|

सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक
अजय कुमार सिंह के साथ देवी प्रसाद मिश्रा का संवाद|

दोपहर 12:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक
अशोक पांडे के साथ अजंता देव का संवाद|

दोपहर 02:30 बजे से दोपहर 03:30 बजे तक
अजय कुमार सिंह के साथ खलील मामून का संवाद|

दोपहर 03:30 बजे से शाम 04:30 बजे तक
अशोक पांडे के साथ संजय चतुर्वेदी का संवाद|

कवि और सूत्रधारों के बारे में:

अजंता देव जयपुर स्थित लेखिका एवं कवियित्री है और उन्होंने भारतीय शास्त्रीय संगीत और कथक में शिक्षा पाई है| पिछले 40 सालों से वो हिंदी साहित्य हे साथ जुडी हुई है और अब तक उन के चार काव्यसंग्रह और एक उपन्यास प्रकाशित हुए है|

देवी प्रसाद मिश्रा, कवि, कथाकार और फिल्म निर्माता है जो चालीस साल से हिंदी में कविताएं लिख रहे है और आज तक उन की दो किताबें प्रकाशित हुई है|PSBT के साथ उन्होंने दो डॉक्यूमेंटरीयां भी बनाई है| उन्हें भारत भूषण स्मृति सम्मान, संस्कृति सम्मान और शरद बिल्लोरे सम्मान से नवाजा गया है|

खलील मामून (खलील उर रहमान), उर्दू भाषा के कवि है, जिन के आठ काव्यसंग्रह प्रकाशित हो चुके है| उन्हें कर्नाटक उर्दू अकादमी का जीवन गौरव पुरस्कार, कर्नाटक राज्योत्सव पुरस्कार, कर्नाटक महानगरपालिके पुरस्कार और साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया है|

डॉ. संजय चतुर्वेदी कवि और डॉक्टर है| 1978 से वो हिंदी कवितांए लिख रहे है| उन की रचनाएं 14 संग्रहों में प्रकाशित हो चुकी है और उन की कविताओं का भाषांतर कई भारतीय और विदेशी भाषाओं में हो चुका है| उन्हें भारत भूषण और फ़िराक सम्मान प्राप्त हुआ है|

डॉ. अजय कुमार सिंह हिंदी भाषा में PhD और DLitt है| कर्नाटक केडर से 1974 की बैच के IPS अफसर, डॉ. सिंह जी ने तीन दशकों में कई सारे पदभार संभाले है और कर्नाटक राज्य के पुलिस महासंचालक पद से वो निवृत्त हुए है| उन की हिंदी कविताओं की दो किताबें है और उन्होंने की साडी कन्नड़ कवियों की रचनाएं हिंदी में भाषांतरित की है|

अशोक पांडे लेखक है, भाषांतरकार है और उन्हें यात्रा करना पसंद है| उन्होंने एक काव्यसंग्रह लिखा है और यात्रावर्णन की कई सारी किताबें भी लिखी है| उन्होंने कई अंग्रेजी रचनाओं का हिंदी में और हिंदी रचनाओं का अंग्रेजी में अनुवाद किया है, जिन में आयर्विंग स्टोन की 'लस्ट फॉर लाइफ', लॉरा एसक्विव्हेल की 'लाइक वॉटर फॉर चॉकलेट' और पाब्लो नेरुडा, रॉबर्टो युआरोझ, फर्नांडो पेसोआ, येहूदा अमिचाई व अन्य कवियों के कविताओं का समावेश है|

शब्दों के उजाले को SIFF से सहाय्यता प्राप्त हुई है| SIFF एक ना-मुनाफा संस्था है जिस का गठन शिक्षा को बेहतर बनाना, पर्यावरण सुरक्षा और भारतीय संगीत एवं कला के प्रति उन के लगाव को बढ़ावा देना इन उद्दिष्टों के लिए किया गया है|